

शैक्षिक सत्र-2026-27
विषय-समाजशास्त्र
कक्षा-12

पूर्णांक : 100

इकाई		अंक
क	भारतीय समाज	
	1. भारतीय समाज : एक परिचय	02
	2. भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना	10
	3. सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन	10
	4. बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में	06
	5. सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप	07
	6. सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ	10
	7. परियोजना कार्य के लिए सुझाव	05
	योग	50
ख	भारत में परिवर्तन और विकास	
	8. संरचनात्मक परिवर्तन	05
	9. सांस्कृतिक परिवर्तन	05
	10. संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन	06
	11. ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन	06
	12. औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास	07
	13. भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन	05
	14. जनसम्पर्क साधन और जनसंचार	06
	15. सामाजिक आन्दोलन	10
	योग	50
	महायोग	100

खण्ड-(क) भारतीय समाज

इकाई-1 भारतीय समाज : एक परिचय

02 अंक

1. भारतीय समाज का परिचय।
2. पाठ्यपुस्तक का पूर्व दर्शन।

इकाई-2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना

10 अंक

1. जनसांख्यिकीय सम्बन्धी संकल्पना और सिद्धान्त : माल्थस का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धान्त, जनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धान्त।
2. ग्रामीण-नगरीय विभिन्नताएं
3. भारत की जनसंख्या नीति

इकाई-3 सामाजिक संस्थाएँ : निरन्तरता एवं परिवर्तन

10 अंक

1. परिवार और नातेदारी
2. जाति व्यवस्था, विशेषताएं, जाति का समकालीन रूप
3. जनजातीय समाज, 'जनजातीय समाजों का वर्गीकरण, राष्ट्रीय विकास एवं जनजातीय विकास

इकाई-4 बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में

06 अंक

1. भूमण्डलीकरण : स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में अन्तर्सम्बन्ध
2. उदारवादिता: बाजार बनाम राज्य

इकाई-5 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप

07 अंक

1. सामाजिक विषमता एवं सामाजिक अपवर्जन या बहिष्कार
2. जातिगत पूर्वाग्रह, अनुसूचित जातियाँ एवं अन्य पिछड़े वर्ग
3. आदिवासी संघर्ष

4. स्त्रियों की समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष।
5. अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व्यक्तियों का संघर्ष।
- इकाई-6 सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ** 10 अंक
1. साम्प्रदायिकता, समुदाय राष्ट्र एवं राष्ट्रराज्य
2. सांस्कृतिक विविधता
3. क्षेत्रवाद
4. राष्ट्र-राज्य एवं धर्म सम्बन्धी मुद्दों की पहचान एवं समस्याएँ
5. अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण
6. साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता एवं राष्ट्र-राज्य
- इकाई-7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव** 05 अंक
1. सर्वेक्षण प्रणाली, साक्षात्कार, प्रेक्षण तथा समसामयिक पद्धतियों का सम्मिश्रण।
2. छोटी शोध परियोजनाओं हेतु सम्भावित प्रकरण एवं विषय।
- खण्ड-(ख) भारत में परिवर्तन एवं विकास**
- इकाई-8 संरचनात्मक परिवर्तन** 05 अंक
1. उपनिवेशवाद, औद्योगीकरण, नगरीकरण,
- इकाई-9 सांस्कृतिक परिवर्तन** 05 अंक
1. विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तन: संस्कृतीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, पंथनिरपेक्षीकरण
2. सामाजिक सुधार आन्दोलन और कानून
- इकाई-10 संविधान एवं सामाजिक परिवर्तन** 06 अंक
1. संवैधानिक मानदण्ड और सामाजिक न्याय
2. पंचायत राज और सामाजिक परिवर्तन की चुनौतियाँ
3. लोकतान्त्रिक राजनीति में राजनीतिक दल दबाव एवं हित समूह
- इकाई-11 ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन** 06 अंक
1. कृषक सामाजिक संरचना, भारत में जाति और वर्ग
2. भूमि सुधार
3. हरित क्रान्ति और इसका सामाजिक परिणाम
4. ग्रामीण समाज में परिवर्तन
5. भूमण्डलीकरण, उदारीकरण और ग्रामीण समाज
- इकाई-12 औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास** 07 अंक
1. भारत में औद्योगिकीकरण
2. भूमण्डलीकरण, उदारीकरण एवं भारतीय उद्योग में परिवर्तन
3. हड़ताले एवं मजदूर संघ
- इकाई-13 भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन** 05 अंक
1. भूमण्डलीकरण की समझ
2. भूमण्डलीकरण आयाम, रोजगार, राजनीतिक परिवर्तन, संस्कृति
3. उपभोग की संस्कृति, निगम संस्कृति
- इकाई-14 जन सम्पर्क साधन और जनसंचार** 06 अंक
1. आधुनिक मास मीडिया का प्रारम्भ
2. जन सम्पर्क माध्यम के प्रकार- दूरदर्शन, रेडियो एवं समाचार पत्र
3. भूमण्डलीकरण और मीडिया
- इकाई-15 सामाजिक आन्दोलन** 10 अंक
1. सामाजिक आन्दोलन के लक्षण एवं प्रकार
2. वर्ग आधारित आन्दोलन : किसान आन्दोलन, कामगारों का आन्दोलन
3. जाति आधारित आन्दोलन : दलित आन्दोलन, पिछड़ी जाति आन्दोलन
4. स्वतंत्र भारत में महिला आन्दोलन।
5. जनजातीय आन्दोलन
6. पारिस्थितिकीय आन्दोलन

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित हैं-

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)

जुलाई द्वितीय सप्ताह

20 अंक

(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट— उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।